



Total No. of Printed Pages — 3

CCSME23

460097

PAPER / पत्र – II

PANCHPARGANIA LANGUAGE AND LITERATURE

पंचपरगनिया भाषा एवं साहित्य

SUBJECT CODE / विषय कोड : 13

Full Marks : 150

Time : 3 Hours

पूर्णांक : 150

समय : 3 घण्टे

निर्देश :

- (1) सउआल दुइ भागे बाँटल आहे। भाग – 'क' (A) मेहेन 4 टा सउआल (सउआल संइखा 1 ले 4) आर भाग – 'ख' (B) मेहेन जमा 4 या सउआल (सउआल संइखा 5 ले 8) आहे।
- (2) सउआल संइखा 1 आर सउआल संइखा 5, सउब के लिखना जडुरि आहे।
- (3) परिछारथि (परीक्षार्थी) के जामा 6 टा सउआलेक उत्तर लिखेक आहे, जेटाएँ दिअ भाग – 'क' (A) आर भाग – 'ख' (B) केर अनिबाइरज (अनिवार्य) सउआल संइखा केर अलादा 1 (एक टा सउआल) केर उत्तर लिखेक टा अनिबाइरज (अनिवार्य) हेके।
- (4) अनिबाइरज (अनिवार्य) सउआल संइखा 1 आर 5 मेहेन देल सात सउआलेक मइधे पाँच सउआलेक जबाप लिखेइ हइ, जेकर 7 अंक निरधारित (निर्धारित) आहे।
- (5) सउआल संइखा 1 आर 5 केर अलादा बाकि सउआलेक अंक 20 चाहे 10-10 अंक 'क' आर 'ख' माहने आहे।

अंक

भाग – 'क' (A)

1. हेंठे देल मइधे पाँच टा सउआलेक जबाव देना :

7×5=35

- (क) कहनि आर कबिता माहान का फरक आहे?
- (ख) रवेइल गित केसन गित के कहल जाएला?
- (ग) ल'क साहित का हेके?



- (घ) मिथ, आरलान आर ल'क कथा माहान का अंतर आहे?
- (ङ) पंचपरगनिया ल'क कथाक बिसेसता के लिखु।
- (च) समास काके कहल जाएला? कन' तीन टा समासेक बाचिक देवा।
- (छ) बाइच ले का बुझाला? बाइच कर कएटा भेद आहे?
2. पंचपरगनिया भाषा कर उदभव आर बिकास माहान खाट'-खुँटिए बाचिक देउ। 20
3. ल'क कथा कर बाचिक देउ आर पंचरगनिया ल'क कथा कर बाँट (वर्गीकरण) कर। 20
4. पंचपरगनिया पइद साहित कर इतिहास आर विकास माहान एकटा छटे-खाट लेख लिखु। 20

## भाग - 'ख' (B)

5. हेंठे देल मइधे कन' पाँच टा सउआल कर उत्तर देएक आहे। 7×5=35
- (क) कहतुक काके कहल जाएला? पाँचटा जाति संबंधि कहतुक लिखा।
- (ख) पंचपरगनिया माहान सबद' संबंधि बिसेसता के फरियाउ।
- (ग) बाक्य ले का बुझाला? बाक्य कर कए टा भेद आहे?
- (घ) किरिआ काके कहल जाएला? रचना कर हिंसाबे किया कर कएटा भेद आहे?
- (ङ) सृष्टिधर महतो द्वारा रचित 'झागड़ा' कविता केर भाउअ अरथ लिखा।
- (च) पंचपरगनिया माहान बरतमान काल कर कए टा भेद आहे?
- (छ) "जान कहनी दिमागी कसरत हेके" बाचिक देवा।
6. देवनागरी लिपि माहान हेंठे देल कन' एकटा निबंध लिखु। 20
- (i) बेरोजगारी की समस्या
- (ii) रक्षा बंधन
- (iii) मँहगाई



7. हेंठे देवल गद्यांश कर शिर्षक देकहन संक्षेपण करु।

आइज समइ बदइल जाए आहे। आइज राजकाज एक लकेक ऊपर निरभर नि करेला। आइज सेटाए साधारन जनता केर हाथ आहे। एसन इसथिति माहान जनताक ऊपर गेआना कर परचारेक दरकार आहे। सिच्छा केर परचार-परसार किबल साधारन जनता केर खातिरे नाही बरं आइज-काइल केर सत्ताधारी आर ऊँच-नीच लकेक तेहंउ जरूरी आहे। सार्वजनिक सिच्छा केर परचार सउब केर खातिर जरूरी हए जाए आहे। असिच्छित जनता आपन पासे किबल चाइर डेग देखे पावंगेला आर अउर बादेक टा उमन के खेयाल नि रहेला। सिच्छा लकेक हाथे दुरबीन दे देला, जेटाक मरफत उमन आपन भलाई धूर तक देखे पावएं। से तेहें साधारन जनता के सिच्छित करेक आइज कर सत्ताधारीक करतइब हेके।

8. हेंठेक गद्यांश कर पंचपरगनिया माहान अनुवाद करा।

बच्चों को वश में करने का मंत्र है कहानी। थकित को प्रसन्नचित्त करने का जादू है कहानी। बच्चों के स्मरणशक्ति को तीव्रतर बनाने की खुराक है कहानी। स्मरणशक्ति के साथ उनकी कल्पानाशक्ति को अभिवृद्धि करने की कुंजी है कहानी।

★ ★ ★